ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–४१
दिनांक– मंगलवार, ०७ जून, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.3 एवं 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 83 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 61 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.8 एवं दोपहर में 38.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(08–12 जून, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 08–12 जून, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल बादल छाये रह सकते हैं। अगले १२–२४ घंटों तक मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। उसके बाद मानसून के आगमन की सम्भावना के कारण वर्षा की सम्भावना में वृद्धि होगी और इसके प्रभाव से उत्तर बिहार के जिलों में अधिकतर स्थानों पर हल्की वर्षा होने का अनुमान है। एक–दो स्थानों पर मध्यम वर्षा भी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 35–39 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 26–28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 18 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- मध्यम अवधि के धान के किस्मो को बीजस्थली में गिराने का काम करे। इसके लिए संतोष, सीता, सरोज, राजश्री, प्रभात, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, राजेन्द्र भगवती, कामिनी, सुगंधा किस्में अनुशंसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800–1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौराई 1.25–1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज को गिराने से पहले बविस्टिन 2.0 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार करें।
- जिन किसान भाइयों के पास सिंचााई की सुविधा प्रयाप्त हो तथा लम्बी अवधि वाले धान लगाना चाहते है वे राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब–1 वी0पी0टी0–5204 एवं सत्यम आदि किस्में 10 जुन तक बीजस्थली में गिराने का प्रयास करें। जितने क्षेत्र में धान का रोप करना हो उसके दषांष हिस्सों में बीज गिरायें। बीज को गिराने से पहले 1.5 ग्राम बविस्टीन प्रति कि0 ग्रा0 बीज की दर से उपचारित करें।
- अल्प अवधि वाले धान की किस्म एवं सुगंधित धान का किस्म का विचड़ा बीजस्थली में 20 जून से 10 जुलाई तक बोने के लिए अनुषंसित है। सुगंधित किस्मों का विचड़ा बीजस्थली में पहले से गिराने से उसकी सुगंध खत्म हो जाती है।
- भिंडी एवं बोरा जैसे फल वाली सब्जियों में भी नत्रजन का उपरिवेषन करें एवं कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान 2 मि0ली0 प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 7–10 दिनों के अन्तराल पर फल तोड़ने के बाद दो बार छिड़काव करें। लत्तर वर्गीय सब्जियों में चूर्णिलअसिता के आक्रमण होने पर केराथेन 1.5 ग्राम प्रति लीटर या 25 कि0लो0 सल्फर पाउडर प्रति हेक्टेयर की दर भुरकाव करें।
- लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलोग्रम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, 2.5 किलोग्रम यूरिया, 1.5 किलोग्रम सिंगल सुपर फॉसफेट, 1.3 किलोग्रम म्युरेट ऑफ पोटाष तथा 50 ग्राम सुहागा के मिश्रण को बृक्ष के पूरे फैलाव में समरुप बिछा कर मिट्‌टी में मिला दें।
- गन्ना फसल में अभी गलित शिखा रोग (Top rot disease) के प्रकोप की संभावना है। इस रोग से लगभग 2.0 से 22.5 प्रतिशत तक एवं उग्र अवस्था में 80 प्रतिशत तक उपज एवं 11.80 से 65.0 प्रतिशत तक की चीनी की मात्रा में कमी हो जाती है, जिससे किसान एवं चीनी मिलों का काफी हद तक नुकसान सहना पड़ता है। बिहार के वातावरण में इस रोग को वृद्धि हेतु तापक्रम 24–28 डिग्री सेल्सियस, नमी 75–85 प्रतिषत एवं 700–1000 मि0मी0 वर्षा उपयुक्त पाया गया इस रोग से अक्रांत पौधे के शीर्ष भाग की पत्तिया घुमावदार हो जाती है तथा अक्रांत बिन्दु से पत्तिया टूटकर नीचे झुक जाती है एवं पौधों की वृद्धि विन्दु सड़ जाती है एवं पौधे की बढ़वार रुक जाती है। गन्ना फसल पर इस रोग का लक्षण दिखाई देने पर कार्बेन्डाजीन (फफूँदनाषी) का 0.1 प्रतिषत दवा कों 1 लीटर पानी में घोलकर 15 दिनों के अन्तराल पर तीन बार छिड़काव करने से रोग वृद्धि में कमी होती है।
- पशुओं के चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई अन्तर्वती खेती में करने से चारे की गुणवता बढ़ जायेगी तथा दुधारु पशुओं के लिए पौष्टिक चारा प्राप्त होगा। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच0एस0 (गलघोंटू) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें।

आज का अधिकतम तापमानः 34.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 25.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी